AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

'लविवि का हॉस्टल छोड़ने के बाद रो पड़ा था मैं'

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने छात्र जीवन में बिताए दिनों को किया याद, संस्मरण सुनाते हुए हो गए भावुक

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के हॉस्टल में जो चार से सात साल रह लेगा वह यहां बिताए दिनों को आजीवन याद रखेगा। जब मैं यहां से निकला और एक दिन होटल में रह रहा था तो रोना आ गया कि मैं हॉस्टल छोड़कर कहां आ गया। मैं यहां आकर भावुक हो गया हूं। यह संस्मरण थे उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के। मुख्यमंत्री बनने के बाद वह पहली बार बुधवार को लविवि पहुंचे थे। लविवि एल्युमिनाई फाउंडेशन और लविवि द्वारा मालवीय सभागार में आयोजित समारोह में उनको सम्मानित किया गया।

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने राजनीति का ककहरा लविवि से ही सीखा है। उन्होंने 1994 में यहां से बीए की पढ़ाई की। इस दौरान वे नरेंद्र देव छात्रावास के कमरा नंबर 119 में रहते थे। उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़कर इकाई के लिए कार्य किया। बुधवार को वह हॉस्टल में बिताए संस्मरणों को सुनाते हुए पुराने दिनों खो गए। बताया कि रात को 11-12 बजे हॉस्टल में आते तो तब 11 से 12 छात्र एक साथ खाना खाते थे। कोई रोटी ले आता था तो दाल कमरे में ही बना लेते थे। बसंती चाची के पकौड़े और चाय के साथ उन्होंने पप्पू ढाबा का भी जिक्र किया, जहां से रोटी और दाल मंगाई जाती थी।

लविवि में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को सम्मानित करते डिप्टी सीएम डॉ. दिनेश शर्मा, मंत्री ब्रजेश पाठक व कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय। -अमर उजाला

प्रो. निशी अब पहले जैसी नहीं दिखतीं

सीएम पुष्कर सिंह सैनी ने अपने संस्मरण सुनाते हुए कई ऐसे वाक्य कहे जिसे सुन सभागार में बैठे सभी ठहाके लगाने लगे। वे मंच से सभी पुराने शिक्षकों, छात्रसंघ के पूर्व पदाधिकारियों, सदस्यों का नाम ले रहे थे। उनके साथ बिताए दिनों को याद कर रहे थे। प्रो. निशी पांडेय का नाम लेकर बोले आप तो बिल्कुल बदल गईं। अब पहले जैसी नहीं दिखतीं। वहीं प्रो. नीरज जैन को याद कर बोले आप तो बिल्कुल नहीं बदले, आज भी शक्ल वैसी ही है। उन्होंने कहा मैं भी नहीं बदला, मेरी भी शक्ल पहले जैसी है। उन्होंने कहा कि सीएम बनने के बाद भी कुछ नहीं बदला, मैं आज भी वैसा ही हूं। उन्होंने कैबिनेट मंत्री ब्रजेश पाठक के साथ विवि में बिताए दिनों को याद कर कहा कि बहुत तेज तर्रार थे। छात्रसंघ के अध्यक्ष बने और आज कैबिनेट मंत्री हैं। उन्होंने कहा कि यहां आकर घूमना, खाना, पुराने लोगों से मिलना, नए छात्रों से मिलना बेहद अच्छा लग रहा है।

कोई पद पाने की छोड़ चुके थे उम्मीद, बने सीएम

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने अपनी सीएम बनने के सफर तक की दिलचस्प कहानी सुनाई। उन्होंने कहा कि एक बार वह पल आया जब कोई भी पद पाने की उम्मीद छोड़ चुके थे। उन्होंने संस्मरण सुनाते हुए कहा कि जब एमएलए बना तो हमारी सरकार भी बनी। उम्मीद थी कि मंत्री परिषद में जगह मिलेगी, लेकिन मेरे जिले से दो एमएलए मंत्री बन गए, तीन बन नहीं सकते थे। तब थोड़ी निराशा हुई और समर्थकों में ज्यादा निराशा थी। कुछ वक्त बाद उम्मीद जगी कि सांसद का टिकट मिलेगा, लेकिन वह भी नहीं मिला। फिर एक बार जोर-शोर से मेरा नाम अध्यक्ष पद के लिए उठा, लेकिन वह भी नहीं मिला। अचानक बदलाव हुआ सीएम बदले और तीरथ सिंह रावत को सीएम बनाया गया। तब जोर-शोर से मेरे डिप्टी सीएम बनने का शोर हुआ, लेकिन उनके सीएम बनने के बाद मंत्री परिषद वही रहा। डिप्टी सीमए तो दूर मंत्री तक नहीं बना। इसके बाद मैंने अपना सामान पैक कर देहरादून छोड़ दिया, अपने क्षेत्र में चला गया। टाना तो यही था कि 2022 में जब इलेक्शन का परिणाम आएगा तभी वापस आऊंगा, लेकिन फिर सीएम बदलने का समय आया। विधान मंडल की बैठक हुई। मैं बिना किसी उम्मीद के पीछे बैठा था। इस बार कोई शोर नहीं था किसी ने फोन नहीं किया। यहां तक कि बैठक में भी किसी ने कुछ नहीं बताया। अचानक 20 मिनट बाद नरेंद्र सिंह तोमर उठे और बोले पुष्कर सिंह धामी को विधायक दल का नेता चुना जाता है।

चाय का एक रुपया भी नहीं मारा

इस अवसर पर डिप्टी सीएम डॉ. दिनेश शर्मा ने कहा कि जो एक बार लविवि में आ गया वह यहां बिताए दिनों को कभी नहीं भूल सकता। मैं अध्यापक हो चुका था और पुष्कर सिंह एबीवीपी के कार्यकर्ता के रूप में कार्य करते थे। शिक्षकों और साथी गणों से कभी ऊंची आवाज में बात नहीं की। उस समय छात्र राजनीति चरम पर थी। अक्सर छात्रनेता चाय के पैसे नहीं देते थे, लेकिन इन्होंने चाय का एक रुपया भी नहीं मारा। कैबिनेट मंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि आज लोग आपको प्रेरणा स्रोत के रूप में देखते हैं। जब आपके बारे में लोगों को बताया तो इतने कम समय में ही लोगों में इतना उत्साह और जोश भर गया, जिसकी कल्पना नहीं की थी। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष दयाशंकर सिंह ने भी लविवि में बिताए दिनों को याद करते हुए कहा कि इनके साथ हमने लविवि में संघर्ष किया।

फिर से उसी कमरे में पहुंचे, जहां रहते थे

सम्मान समारोह के बाद सीएम पुष्कर सिंह धामी एनडी छात्रावास के उसी कमरा नंबर 119 में पहुंचे, जहां वह पढ़ाई के दौरान रहा करते थे। उन्होंने हॉस्टल के कमरों को निहारा और पुराने दिनों को याद करते हुए कहा कि आज भी दीवारें वैसी ही हैं। वे काफी भावुक हो गए। हॉस्टल के छात्रों से मिले। काफी छात्रों के साथ फोटो भी खिंचवाई।

सुरक्षा घेरा तोड़कर सभी से मिले

सीएम पुष्कर सिंह धामी ने लविवि के मालवीय सभागार में पहुंचने के बाद अपने इर्द-गिर्द सुरक्षा घेरे को हटा दिया। सभागार में पहुंचते ही उनके साथ सेल्फी लेने और सोशल मीडिया पर लाइव करने की होड़ लग गई। यहां तक कि मंच पर भी काफी पूर्व छात्र व छात्रसंघ के पूर्व पदाधिकारी व सदस्य चढ़ गए और सेल्फी लेने लगे। इस दौरान अव्यवस्था भी हुई। लविवि एल्युमिनाई फाउंडेशन और लविवि द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में कुलपति प्रो. आलोक राय ने उनको अंगवस्त्र व स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया। छात्रसंघ के पूर्व पदाधिकारियों व सदस्यों ने भी उनको सम्मानित किया। इस अवसर पर सीएम ने फूड मैन के नाम से जाने वाले विशाल सिंह और एक कोशिश ऐसी भी की संस्थापिका वर्षा वर्मा को सामाजिक कार्यों के लिए सम्मानित किया। वीसी ने एल्युमिनाई एसोसिएशन से विवि के संचालन में सहयोग की अपील की। इस अवसर पर एल्युमिनाई फाउंडेशन की अध्यक्ष प्रो. निशी पांडेय, प्रो. राकेश चंद्रा आदि मौजूद रहे।

HINDUSTAN PAGE 6

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री और एलयू के पूर्व छात्र पुष्कर सिंह धामी कैंपस पहुंचे, एलुमिनाई फाउंडेशन ने सम्मानित किया

बसंती चाची के पकौड़ों का स्वाद भूला नहीं: धामी

कैंपस में सीएम

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

मैं वही पुष्कर हूं...जो 20-21 साल पहले यहां के एनडी हॉस्टल के कमरा नं. 119 में रहा करता था। तब से लेकर अब तक कुछ बदला है तो यह ये कि अब समय कम मिलता है वरना मैं कहीं भी जाऊं, कुछ भी बन जाऊं, यहां के लिए कभी नहीं बदल सकता। इतने वर्षों बाद भी जुबान से पांच नम्बर नेट के पास मिलने वाले बसंती चाची के पकौड़ों, अंकुरित चनों का स्वाद क्या नहीं हैं...दुखद ये है कि देहरादून में अंकुरित चने मिलते नहीं हैं, आज भी वो दिन याद करके आंखें भर आती हैं...।

कुछ इसी अंदाज में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लखनऊ विवि में बिताए अपने छात्र जीवन को याद किया। वह बुधवार की देर शाम लखनऊ विवि के मालवीय सभागार में आयोजित सम्मान समारोह में हिस्सा लेने पहुंचे थे। एलयू एलुमिनाई फाउंडेशन की ओर से कार्यक्रम एक दिन पहले तय किया गया जब पता चला कि पुष्कर सिंह धामी लखनऊ आ रहे हैं। एलुमिनाई फाउंडेशन की ओर से उन्हें सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने की। प्रो. राकेश चन्द्रा के संचालन में समारोह में डिप्टी सीएम डॉ. दिनेश शर्मा, कानून मंत्री ब्रजेश पाठक भी मौजूद रहे। एलुमिनाई फाउंडेशन कोऑर्डिनेटर प्रो. निशि पांडे ने स्वागत किया। अनिल सिंह बीरू, दयाशंकर सिंह, ज्ञानेंद्र शुक्ला, प्रमोद तिवारी, बजरंगी सिंह, अभिषेक सिंह बब्जू, अभषेक सिंह आशु, अंशू अवस्थी, सरोज तिवारी, नीरज जैन सहित बड़ी संख्या में पूर्व और वर्तमान छात्र उपस्थित थे।

लखनऊ यूनिवर्सिटी में बुधवार को कार्यक्रम में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शिरकत की। इस अवसर पर डिप्टी सीएम डॉ. दिनेश शर्मा, कानून मंत्री ब्रजेश पाठक और कुलपति आलोक कुमार राय भी उपस्थित रहे।

20 -21 साल पहले एनडी हॉस्टल में रहते थे धामी

बद्रीनाथ धाम संवरेगा

उन्होंने कहा कि जिस तरह से केदारनाथ में केदारपुरी स्थापित हो रही है, उसी तरह बद्रीनाथ धाम संवरेगा। इसके लिए 250 करोड़ रुपए स्वीकृत भी हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि पूणी और उत्तराखंड की परिस्थितियों पर जो विवाद है, उस पर वार्ता चल रही है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी अपने छात्रावास पहुंचे तो सभी उत्साहित हो गए। वहां उपस्थित लोगों ने उनके साथ सेल्फी ली और उनका सम्मान किया।

हनुमान सेतु में हाजिरी, कमरा नं. 119 भी देखा

विश्वविद्यालय के छात्र जीवन को याद करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि यहां जो काम किए, जो कुछ सीखा, उसी का परिणाम है कि उन्हें एक राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में काम करने का मौका मिला है। विश्वविद्यालय पहुंचने से पहले वह हनुमान सेतु मंदिर गए और वहां दर्शन किए। विवि में समारोह खत्म होने के बाद पुष्कर सिंह धामी अपनी पुरानी यादें ताजा करने आवार्य नरेन्द्र देव हॉस्टल के उसी कमरा नं. 119 में पहुंचे जहां वह छात्र जीवन में रहा करते थे। यहां उन्होंने स्ट्राफ से मुलाकात की और आवार्य नरेन्द्र देव की प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया।

एलयू में यूपी का पहला ट्राइबल म्यूजियम तैयार

दीक्षांत की तैयारी

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय के 26 नवम्बर को होने वाले 64वें दीक्षांत समारोह के विशेष आकर्षणों में से एक यहां बनाया गया ट्राइबल म्यूजियम होगा। विवि कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि इस विशेष संग्रहालय का लोकार्पण दीक्षांत समारोह में किया जाना है।

एन्थ्रोपोलॉजी विभाग में बनाया गया यह संग्रहालय इस मायने में खास है कि इसमें उत्तर प्रदेश की आदिवासी जनजातियों से जुड़ी चीजें रखी गई हैं और यह प्रदेश में बनने वाला पहला आदिवासी संग्रहालय होगा। संग्रहालय का काम देख रहीं डॉ. केया पांडेय ने बताया कि उप्र की थारू व अन्य 18 नई जनजातियों के जीवन, उनकी संस्कृति, वेशभूषा, खानपान आदि को दर्शाती कई चीजें इस संग्रहालय में रखी जा रही हैं। लोकार्पण के बाद छात्रों के अलावा अन्य लोग भी यह संग्रहालय देख सकेंगे।

कर्मचारियों को आवासः कुलसचिव ने बताया कि दीक्षांत समारोह में ही कर्मचारी आवास टाइप-2 का और सेवा भवन का लोकार्पण करने पर भी विचार हो रहा है। इन पर अंतिम फैसला गुरुवार को होने वाली कार्यपरिषद की बैठक में होगा। इसके अलावा विवि के जिन शिक्षकों ने इस वर्ष कोई किताब लिखी है तो उसका विमोचन भी यहां कराया जाएगा।

चांसलर मेडल पर फैसला आजः लखनऊ विश्वविद्यालय में कार्य परिषद की बैठक गुरुवार को होनी है। बैठक में दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि पर चर्चा होगी। साथ ही गुरुवार को ही चांसलर मेडल के लिए इंटरव्यू भी होने हैं। जानकारी के अनुसार इसके बाद ही इस मेडल की सार्वजनिक घोषणा भी कर दी जाएगी।

शनिवार, रविवार को विभागवार मेडल

26 नवम्बर होने वाले दीक्षांत समारोह में चांसलर मेडल समेत विवि के कुल 15 मेडल मंच पर दिए जाएंगे। बाकी 180 मेडल विभागवार कार्यक्रम आयोजित करके दिए जाएंगे। इसके लिए विभागों को निर्देशित किया गया है कि वे शनिवार या रविवार को अपने स्तर से मेडल वितरण कराएंगे। अब अगर हर हफ्ते दो विभाग भी कार्यक्रम कर लेते हैं तो मेडल वितरण समारोह कम से कम तीन महीने तो चलेंगे ही। लविवि में दीक्षांत समारोह का दिन तय हो गया है लेकिन समय तय नहीं है क्योंकि राजभवन से अभी तक राज्यपाल का समय नहीं मिल पाया है। वहां से जो मिनट्स भेजे जाएंगे, उन्हीं के आधार पर पूरा कार्यक्रम किया जाएगा।

NBT PAGE 6

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी पहुंचे एलयू, पुराने साथियों से मिलकर हुए भावुक-बोले

मैं जिस भी मुकाम पर हूं, उसमें एलयू का ही योगदान

■ एनबीटी, लखनऊः उत्तराखंड के मुख्यमंत्री और लखनऊ यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र पुष्कर सिंह धामी बुधवार को एलयू की भगोरो और पुराने साथियों से अरसे बाद रूबरू हुए तो भावुक हो गए। मुख्यमंत्री बनने के बाद एलयू में वह उनका पहला दौरा था। मालवीय सभागार में उन्होंने कहा कि आज मैं जिस भी मुकाम पर हूं, उसमें एलयू का ही योगदान है। अल्मनाई फाउंडेशन और एलयू ने उन्हें सम्मानित किया। पुराने साथियों से मिलकर पुरानी यादों में खोए धामी मुख्यमंत्री का प्रोटोकॉल भी भूल गए और साथियों से बात करते रहे।

एलयू आने से पहले धामी ने हनुमान सेतु मंदिर में बजरंग बली के दर्शन किए। वह आचार्य नरेन्द्र देव छात्रावास भी गए जहां उन्होंने छात्र जीवन के पलों को यादों को याद किया। उन्होंने छात्रावास में मौजूद विद्यार्थियों को कभी हार न मानने और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। मालवीय सभागार में पुष्कर धामी ने छात्र जीवन को याद किया और सभी छात्रों से मोहनत करने की अपील की। धामी को विवि और अल्मनाई कोऑर्डिनेटर प्रो. निशि पांडे ने पुष्प देकर स्वागत किया। इस दौरान एलयू अल्मनाई की तरफ से अनिल सिंह बीरू, दयाशंकर सिंह, ज्ञानेंद्र शुक्ला, प्रमोद तिवारी, नीरज जैन, रामचन्द्र प्रधान, शिवभूषण सिंह, प्रेम प्रकाश अग्निहोत्री पंचम, राजेश विद्यार्थी, छात्रनेता धनंजय उपाध्याय, पवन उपाध्याय, शरफ अब्बास, जानेंद्र शुक्ला, दीपक सिंह 'दीपू', अंशू अवस्थी, राम उग्रह शुक्ला और वर्तमान छात्र उपस्थित थे।

उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने एलयू के एनडी छात्रावास पहुंच छात्र जीवन के दिन याद किए। इससे पहले अल्मनाई फाउंडेशन और विवि की तरफ से उनका सम्मान भी किया गया।

एलयू में पढ़ाई का सफर

बीए (1994-97)

मास्टर इन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट (एमएचआरएम) (1997-1999)

एलएलबी (2002)

एलयू से लोक प्रशासन में डिप्लोमा

अलमनाई की तरफ से अनिल सिंह बीरू, दयाशंकर सिंह, ज्ञानेंद्र शुक्ला, प्रमोद तिवारी, बजरंगी सिंह बब्जू, अभिषेक सिंह आशु, अंशू अवस्थी ने स्मृति चिह्न दिया। अल्मनाई के पूर्व अध्यक्ष सरोज तिवारी, नीरज जैन, रामचन्द्र प्रधान, शिवभूषण सिंह, प्रेम प्रकाश अग्निहोत्री पंचम, राजेश विद्यार्थी, छात्रनेता धनंजय उपाध्याय, पवन उपाध्याय, शरफ अब्बास, जानेंद्र शुक्ला, दीपक सिंह 'दीपू', राम उग्रह शुक्ला, अमित सिंह, प्रमोद श्रीवास्तव, संजय शुक्ला मौजूद रहे। वहीं, हबीबुल्लाह छात्रावास के पुरातन और वर्तमान छात्रों ने भी धामी का सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. राकेश चंद्रा ने किया।

नहीं भूला चाय और समोसे : धामी ने कहा कि पप्पू भाई के ढाबे के लजीज पकवान आज भी मिस करता हूं। बसंती चाची की चाय-समोसे और उनका कभी तकादा न करना हमेशा याद आता है। छात्रसंघ भवन की पुनर्नाई चर्चा, नरेन्द्र देव छात्रावास के किस्से मैं कभी नहीं भूला।

पर्वतीय महापरिषद भवन के लिए दस लाख देने का ऐलानः पर्वतीय महापरिषद के गोमतीनगर भवन में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का स्वागत वृक्षवार को किया गया। इस दौरान सीएम ने महापरिषद के भवन निर्माण के लिए दस लाख का अनुदान देने का ऐलान किया। मौके पर दीपेश मनराल, आरसी पंत, मोहन सिंह मोना, केएन पांडेय, भास्कर कांडपाल, सुमन रावत, महेन्द्र सिंह रावत, सहित जिलेक अधिकारी, नरेंद्र सिंह देवड़ी, प्रेम सिंह गैरोला, रमेश उपाध्याय, केएन पाठक, शंकर पांडेय, मुकेश जोशी, गोविंद पाठक मौजूद रहे।

JAGRAN CITY PAGE I

नए विभाग को मंजूरी, वोकेशनल कोर्स भी पास

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) के विज्ञान संकाय के अंतर्गत जल्द ही नए मालिक्यूलर बायोलाजी एंड बायोटेक्नोलाजी विभाग की शुरुआत होगी। बुधवार को विज्ञान संकाय बोर्ड की बैठक में विभाग के इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। साथ ही नई शिक्षा नीति के तहत स्नातक में तैयार किए गए को-करिकुलर और वोकेशनल कोर्स के संचालन के प्रस्ताव को भी पास कर दिया गया।

बुधवार दोपहर तीन बजे विज्ञान संकायाध्यक्ष प्रो. बृजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में फैकल्टी बोर्ड की बैठक आयोजित की गई। इसमें फैकल्टी के अधीन संचालित विभागों के लगभग सभी हेड शामिल हुए। डीन प्रो. बृजेंद्र सिंह ने बताया कि बैठक में मालिक्यूलर बायोलाजी एंड बायोटेक्नोलाजी विभाग को बनाने का प्रस्ताव रखा गया था, जिसे मंजूरी दे दी गई। अभी तक बायो केमेस्ट्री विभाग में ही यह शामिल था। चांसलर के यहां से बहुत पहले इसे मंजूरी मिल चुकी है। विभाग के गठन के बाद विभागाध्यक्ष तय होंगे।

इन विषयों के कोर्स हुए पास : कला संकाय की तर्ज पर नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विज्ञान संकाय के विभागों ने भी स्नातक में को-करिकुलर और वोकेशनल कोर्स तैयार कर लिए हैं, जिन्हें बोर्ड की बैठक में मंजूरी दी गई। इनमें केमेस्ट्री, जूलाजी, बाटनी, मैथ्स, कम्प्यूटर साइंस, बायो टेक्नोलाजी विभाग शामिल हैं। इसी सत्र से इन कोर्सों को स्नातक प्रथम वर्ष में यह लागू किया गया है। खास बात यह है कि कामर्स और कला वर्ग के विद्यार्थी भी इन विषयों का अध्ययन कर सकते हैं।

लविः बिना अनुमति नहीं छोड़ सकेंगे मुख्यालय

लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) में 26 नवंबर को होने वाले दीक्षा समारोह की तैयारियां तेज हो गई हैं। बुधवार को कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने अधिकारी छात्र कल्याण, चीफ प्राक्टर, कार्य अकौंक्षक व कुलसचिव के साथ तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान यह तय हुआ कि समारोह के आयोजन के चलते बिना कुलपति की अनुमति के कोई भी डीन, विभाग के हेड, निदेशक या फिर शिक्षक मुख्यालय नहीं छोड़ेंगे।

परीक्षाओं की तिथि बदली

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने तीसरी बार एमकाम तृतीय सेमेस्टर की मिड सेमेस्टर परीक्षाओं की तिथियां बदल दीं। अब 29 नवंबर को दोपहर 12 से एक बजे तक कारपोरेट एकाउंटिंग, दोपहर 1.30 बजे से 2.30 बजे तक ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, 30 को दोपहर 12 से एक बजे तक स्ट्रैटिजिक कास्ट एकाउंटिंग, करंटमर रिलेशनशिप मैनेजमेंट, लेबर वेलफेयर एंड सोशल सिक्यूरिटी की परीक्षा होगी। (जासं)

DAINIK JAGRAN PAGE 8

लवि में बिताए पल याद कर भावुक हुए उत्तराखंड के सीएम

एल्युमिनाई फाउंडेशन के समारोह में सम्मानित किए गए पुष्कर सिंह धामी अनुभव किए साझा

जागरण संवाददाता, लखनऊ : बसंती चाची की पकौड़ी-चाय और पप्पू भैया के ढाबे का खाना। अपने एनडी हास्टल में रात 11 से 12 बजे के बीच वापस लौटना और ढेर सारे दोस्तों के साथ दाल चावल बनाकर खाना। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी कुछ देर के लिए जब बुधवार शाम लवि में अपने गुरुजनों और साथियों के बीच पहुंचे तो सुनहरे अतीत के ऐसे ही पन्ने एक-एक कर खुलने लगे। लवि में वरिष्ठ साथियों का भी सम्मान उन्होंने एक पूर्व छात्र के रूप में रखा।

विधि मंत्री ब्रजेश पाठक ने मुख्यमंत्री धामी को जब शाल ओढ़ाकर स्वागत किया तो उनके चेहरे पर अपने अनुज साथी के प्रति एक स्नेह के भाव झलक रहा था। एक प्रदेश के मुख्यमंत्री होने के बावजूद धामी श्री मंत्री ब्रजेश पाठक को भैया कहते हुए दिखे।

लवि एल्युमिनाई फाउंडेशन की ओर से मालवीय सभागार में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का सम्मान समारोह आयोजित किया गया था। यहां मंच पर धामी एक पूर्व छात्र के रूप में नजर आए। कहा कि आज जीवन में जहां भी पहुंचा उसके पीछे लवि में गुरू से मिली शिक्षा और यहां से सीखी मेहनत का बड़ा हाथ है। सामने बैठे एक शिक्षक की ओर देखा और कहा कि उपाध्याय सर की डांट मुझे बहुत मिली। उत्तराखंड बनने के बाद जब वहां गया तो होटल द्रोण में रजाई ओढ़कर रात भर रोया। सोचा मैं यहां क्यों आ गया। प्रो. निशि पांडेय की ओर देखा तो बरबस बोल पड़े मैम आप तो हमारी अभिभावक हैं। अभी प्रो. पांडेय कुछ समझ ही पाती कि सीएम धामी बोल उठे आप आज तक बिलकुल भी नहीं बदलीं। वैसे मैं भी नहीं बदला हूं। आज भी सीएम नहीं, मैं खुद को एक कार्यकर्ता ही समझता हूं। हां बस वजन कुछ बढ़ गया है। बजरंगी सिंह बब्जू, अभिषेक सिंह आसु, अनिल सिंह वीरू जैसे अपने साथियों के जब नाम सीएम धामी ने मंच से लिए तो उनके कई और साथियों की आवाज सभागार के हर ओर से आने लगी। बोलने लगे धामी मैं भी हूं दिलीप। याद है न। धामी भी बोले मेष राशि से मीन तक जो भी बच गए वह सब सबसे अंत में शामिल होंगे। कहा कि मुझे आपके साथ रहना, चाय पीना, घूमना अच्छा लगता है।

ब्रजेश भैया आज भी नहर किनारे जब अपने घर जाता हूं तो वापस आने का मन नहीं करता। युवाओं के लिए भी सीएम धामी ने कई टिप्स दिए। उत्तराखंड में अपने राजनैतिक जीवन के उतार चढ़ाव का जिक्र करते हुए कहा कि एक समय आया जब मैं सामान बांधकर देहरादून से अपने गांव वापस आ गया, लेकिन अचानक विधायकों की बैठक में जब मैं वहां पीछे की सीट पर बैठा तो पता चला कि मैं ही अगला सीएम हूं।

तवि एल्युमिनाई फाउंडेशन द्वारा आयोजित समारोह में पहुंचे उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी कई बार हुए भावुक ● रंगनाथ तिवारी

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का गोमतीनगर के पर्वतीय महापरिषद भवन में स्वागत किया गया। अध्यक्ष गणेश चंद्र जोशी के संयोजन में आयोजित समारोह में परिषद के भवन के निर्माण के लिए धामी ने 10 लाख रुपये का अनुदान देने की घोषणा की ● सौ: स्वयं

कैंटीन का नहीं था बकाया

उत्तमुख्यमंत्री डा. दिनेश शर्मा ने कहा कि सन 1988 में मैं लवि में शिक्षक था। धामी विद्यार्थी परिषद से थे। उस समय जब छात्रसंघ चुनाव आते थे तो कैंटीन वाले की भी शामत आ जाती थी। उस समय लवि की दीवारों पर अंधेरे में एक चिंगारी नीरज जैन सरोज तिवारी जैसे नारे लिखे होते थे। हां, धामी जी ने चाय का एक भी रुपया बकाया नहीं किया। वह तब भी बाबा नीब करौरी के दर्शन करने वे। आज सीएम बनने के बाद पहली बार आने पर भी दर्शन किया। मंत्री ब्रजेश पाठक ने भी उनके साथ बिताए पल साझा किए।

धामी ने राज्यपाल को भेंट किया रुद्राक्ष का पौधा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : उत्तरखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को उप्र की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से राजभवन में शिष्टाचार भेंट की। मुलाकात दौरान उन्होंने राज्यपाल को भगवान केदारनाथ का स्मृति चिह्न और रुद्राक्ष का पौधा उपहार स्वरूप भेंट किया। यूपी के दो दिवसीय दौरे पर आए धामी को राज्यपाल ने दो पुस्तकें भेंट कर उनका स्वागत किया। । इसमें 'लोकहित के मुखर स्वर' और 'वो मुझे हमेशा याद रहेंगे' शामिल हैं। राज्यपाल ने उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में उत्तराखंड विकास के पथ पर सरपट दौड़ेगा। उधर, उत्तराखंड के सीएम ने यूपी विधान सभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित से उनके पांच माल एफेन्यू स्थित सरकार आवास पर मुलाकात की। किसान सभा अध्यक्ष ने उन्हें पुस्तक भेंट की। दो दिवसीय दौरे पर यूपी आए उत्तराखंड के सीएम का लखनऊ से पुराना नाता रहा है।

...जब धामी पहुंचते थे बसंती चाची के पकौड़े खाने

पुरातन छात्र सम्मान समारोह में बोले उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (17 Nov): जब हम हॉस्टल में रहकर पढ़ाई करते थे, तब सभी काफी मौज-मस्ती करते थे. बसंती चाची के पकौड़े खाने हम लोग उनके दुकान पर पहुंच जाते थे. हॉस्टल में रहने के दौरान रात्रि में हम लोग एक साथ 11:12 बजे के बीच खाना खाते थे. उक्त स्मृतियां बुधवार को लखनऊ यूनिवर्सिटी में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने साझा की. सीएम लखनऊ यूनिवर्सिटी एल्युमिनाई एसोसिएशन की तरफ से आयोजित सम्मान समारोह में शामिल होने पहुंचे थे. सम्मान समारोह में शामिल होने से पूर्व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हनुमान सेतु जाकर दर्शन भी किये.

ईश्वर की मर्जी से मिला मौका

यूनिवर्सिटी पहुंचने के बाद एसोसिएशन की तरफ से उनका भव्य स्वागत किया गया. यूनिवर्सिटी में सम्मान पाकर सीएम ने अभिभूत होते हुए सभागार में उपस्थित एक-एक लोगों का नाम लेकर सम्मान के लिए आभार जताया. इस मौके पर धामी ने हॉस्टल के दिनों को याद करते हुए कहा कि उत्तराखंड में लोग 9 बजे खाना खा लेते हैं. एक बार वह उत्तराखंड में एक होटल में रुके, तो लखनऊ को याद करते हुए रो पड़े. उन्होंने कहा कि वह फरवरी में ही यहां आना चाहते थ, पर ईश्वर के मर्जी के चलते मुख्यमंत्री बनने के बाद आने का मौका मिला. कभी कल्पना नही की थी कि मुख्य सेवक के रूप में आपके बीच आऊंगा. उन्होंने कहा कि कोई भी व्यक्ति कितने ऊंचे पद पर क्यों न पहुंच जाए, बीते हुए पलों को नही भूल सकता है. विश्वविद्यालय के छात्र जीवन को याद करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पुरानी स्मृतियां सुनायीं, सभी छात्रों से अथक मेहनत करने की अपील की, कहा आज सार्वजनिक जीवन के जिस भी मुक़ाम पर है उसमें इस विश्वविद्यालय का ही योगदान है. इससे पूर्व एलमुनाई कोऑर्डिनेटर प्रो निशि पांडे ने स्मृति पुष्प देकर स्वागत किया. सम्मान समारोह के दौरान विवि के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने कहा कि एक सफल विश्वविद्यालय के पीछे पुरातन छात्रों का योगदान होता है. पुरातन छात्रों को चाहिए कि विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाने में सहयोग करें. लखनऊ विश्वविद्यालय एलमुनाई की तरफ अनिल सिंह बीरू, दयाशंकर सिंह, ज्ञानेंद्र शुक्ला, प्रमोद तिवारी, बजरंगी सिंह बब्जू, अभिषेक सिंह आशु, अंशू अवस्थी की तरफसे स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनन्दन किया गया। अभिनन्दन कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा, कानून मंत्री बृजेश पाठक, पूर्व अध्यक्ष सरोज तिवारी, नीरज जैन,महामंत्री अनिल सिंह बीरू, रामचन्द्र प्रधान सहित पूर्व और वर्तमान छात्र उपस्थित थे।

● कार्यक्रम का किया शुभारंभ.

● कई पूर्व छात्र शामिल हुए समारोह में.

PICS: DAINIK JAGRAN I NEXT

बीते पलों को नहीं भूल सकते

पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि कोई भी व्यक्ति कितने ऊंचे पद